04
नईदुनिया
इंदौर, शुक्रवार 14 अप्रैल, 2023

'हरि के आश्रय में रहने वाला कभी तनावग्रस्त नहीं होता'

इंदौर। अपने बच्चों को संस्कारित करना हर माता-पिता का दायित्व है। इसके लिए उन्हें मंदिर ले जाएं, भगवान के दर्शन कराएं। भारतीय धर्मग्रंथों में दिए गए जीवन उपयोगी संदेश पर उनसे चर्चा करें। उन्हें बताएं कि घर में बनने वाले भोजन को प्रसादी समझकर क्यों ग्रहण करना चाहिए? भगवान को प्रसादी का भोग लगाएं, फिर उसे ग्रहण करें। हरि का आश्रय लेकर जीवन में जीनेवाला व्यक्ति कभी तनावग्रस्त नहीं होता है।

वंदना श्रीजी

यह बात कथावाचक बृजरत्न वंदना श्रीजी ने गुरुवार को रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसोर्ट में कही। वे सात दिनी श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव में संबोधित कर रही थीं। आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि व्यासपीठ का पूजन विधायक रमेश मेंदोला, गणेश, बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया।